✺10 मई 2014 की मुरली से मुख्य पॉईन्टस्✺

✺ ज्ञान-

1] मनुष्य से देवता बनना है ना। मनुष्य तो मनुष्य ही हैं। मेल अथवा फीमेल दोनों देखने में तो मनुष्य ही आते हैं। फिर तुम दैवीगुण धारण कर देवता बनते हो। तुम्हारे सिवाए और कोई देवता बनने वाली ही नहीं हैं। यहाँ आते ही हैं दैवी घराने का भाती बनने। वहाँ भी तुम दैवी घराने के भाती हो। वहाँ तुम्हारे में कोई राग-द्वेष का आवाज़ भी नहीं होगा। ऐसे दैवी परिवार का बनने के लिए खूब पुरूषार्थ करना है।

2] बाप आया है सबको घर ले जाने। इसमें तो बच्चों को बहुत खुशी होनी चाहिए। यहाँ दु:ख भासता है, इसलिए अपने घर स्वीट होम को याद करते हैं। घर जाना चाहता हैं परन्तु अक्ल तो है नहीं।

3] अब श्रीमत पर चलेंगे तो मुक्ति-जीवनमुक्ति में चलेंगे। नहीं तो शान्तिधाम तो सबको जाना ही है। कोई चलना चाहे वा न चाहे, ड्रामा अनुसार सबको जाना है जरूर। पसन्द करो, न करो, मैं आया हूँ, सबको वापिस ले चलने। जबरदस्ती भी हिसाब-किताब चुक्तू कराए ले चलूँगा।

4] तुम मॉडेल देखकर आते हो, कैसा देलवाड़ा मन्दिर है, तुम तो जानते हो, कल्प-कल्प यह मन्दिर बनता है ऐसा ही, जो तुम जाकर देखेंगे। कोई-कोई मूँझ पड़ते हैं। यह सब पहाड़ियां आदि टूट फूट गई फिर बनेंगी ! कैसे? यह ख्यालात करने नहीं चाहिए।

5] दुनिया वाले कहते हैं कि आजकल सच्चे लोगों को चलना ही मुश्किल है, झूठ बोलना ही पड़ेगा, कई ब्राह्मण आत्मायें भी समझती हैं कि कहाँ-कहाँ चतुराई से तो चलना ही पड़ता है, लेकिन ब्रह्मा बाप को देखा सत्यता व पवित्रता के लिए कितनी आपोजीशन हुई फिर भी घबराये नहीं। सत्यता के लिए सहनशक्ति की आवश्यकता होती है। सहन करना पड़ता है, झुकना पड़ता है, हार माननी पड़ती है लेकिन वह हार नहीं है, सदा की विजय है।

✺ योग-

1] एक तो बाप को बहुत-बहुत याद करना है। याद करने से ही फिर रिटर्न होती है। तमोप्रधान से सतोप्रधान बनने के लिए तुम बच्चों को बहुत सहज उपाय बताता हूँ– याद की यात्रा। हर एक अपनी दिल से पूछे हमारे याद का चार्ट ठीक है?

2] शिवबाबा को याद जरूर करते हैं। और संग तोड़ एक संग जोड़ने वाले तो सब होंगे। और कोई की याद नहीं रहती होगी। परन्तु इसमें पिछाड़ी तक पुरूषार्थ करना पड़ता है। मेहनत करती है। अन्दर में सदैव एक शिवबाबा की ही याद रहे। कहाँ भी घूमने-फिरने जाते हो तो भी अन्दर में याद बाप की ही रहे।

✺ धारणा-

1] सर्वगुण संम्पन्न 16 कला सम्पूर्ण.... यह सब गुण धारण करने हैं। जांच करनी है, हमारे में यह गुण है? क्योंकि जो बनते हैं, वहाँ ही ध्यान जायेगा।

2] जांच करनी है हमारे में कोई गड़बड़ तो नहीं है? हीरे का दृष्टान्त भी बहुत अच्छा है, अपनी जांच करने लिए। तुम खुद ही मैग्नीफाय ग्लास हो। तो अपनी जांच करनी है मेरे में देह-अभिमान रिंचक भी तो नहीं है?

3] **प्रसन्न रहना और प्रसन्न करना – यह है दुआयें देना और दुआयें लेना।**

✺ सेवा-

1] ज्ञान की बुलबुल बन आप समान बनाने की सेवा करो, जांच करो कि कितनों को आप समान बनाया है।